Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
Maharaja College, Ara

U.G. semister-3
MJC-3, (Developmental Psychology)

## जीन पियाजे का संज्ञानात्मक विकास का सिद्धांत (Jean Piaget's Theory of Cognitive Development)

जीन पियाजे एक प्रसिद्ध स्विस मनोवैज्ञानिक थे, जिन्होंने बच्चों के संज्ञानात्मक (cognitive) यानी बौद्धिक विकास के बारे में एक महत्वपूर्ण सिद्धांत प्रस्तुत किया। उनका मानना था कि बच्चे चरणों (stages) के माध्यम से सोचने और समझने की क्षमता विकसित करते हैं।

पियाजे के अनुसार संज्ञानात्मक विकास चार मुख्य चरणों में होता है:

### 1. संवेदी-ग्रहण चरण (Sensorimotor Stage)

आयु: जन्म से 2 वर्ष तक

मुख्य विशेषताएँ:

- बच्चा इंद्रियों (जैसे देखने, छूने, सुनने) और गतियों (हिलने-डुलने) के माध्यम से दुनिया को समझता है।
- वस्तु स्थायित्व (Object permanence) की समझ विकसित होती है – बच्चा यह समझने लगता है कि वस्तुएँ, भले ही दिखें नहीं, फिर भी अस्तित्व में रहती हैं।

### 2. पूर्व-संक्रियात्मक चरण (Preoperational Stage)

आयु: 2 से 7 वर्ष

मुख्य विशेषताएँ:

- भाषा का विकास तेजी से होता है।
- सोचने की प्रक्रिया अभी भी तार्किक नहीं होती।
- बच्चे एगोसेंट्रिक (egocentric) होते हैं – वे दुनिया को केवल अपनी दृष्टि से देख पाते हैं।
- काल्पनिक खेल (Pretend Play) में रुचि।

### 3. ठोस संक्रियात्मक चरण (Concrete Operational Stage)

आयु: 7 से 11 वर्ष

मुख्य विशेषताएँ:

- बच्चा तार्किक ढंग से सोचने लगता है, लेकिन केवल ठोस (वास्तविक) स्थितियों के बारे में।
- संरक्षण (Conservation) की समझ आ जाती है – जैसे कि द्रव्य या संख्या की मात्रा उसके रूप बदलने पर नहीं बदलती।
- वर्गीकरण और श्रेणीकरण की क्षमता विकसित होती है।

### 4. औपचारिक संक्रियात्मक चरण (Formal Operational Stage)

आयु: 12 वर्ष और उससे ऊपर

मुख्य विशेषताएँ:

- अमूर्त (abstract) और तर्कसंगत (logical) सोच की क्षमता विकसित होती है।
- परिकल्पनाएँ बनाना, परीक्षण करना और वैज्ञानिक तरीके से सोचना आता है।
- नैतिक सोच और समस्याओं को विभिन्न दृष्टिकोण से देखने की योग्यता।

## पियाजे के सिद्धांत की मूल बातें (Key Concepts of Piaget's Theory)

### 1. Schema (योजना/ढाँचा):

- स्कीमा मानसिक ढाँचे होते हैं जिनसे हम जानकारी को समझते और व्यवस्थित करते हैं।
- उदाहरण: एक बच्चा 'कुत्ता' शब्द के लिए एक स्कीमा बनाता है – चार पैर, पूंछ, भौंकने की आवाज आदि।

### 2. Assimilation (समावेशन):

- जब बच्चा नई जानकारी को पहले से मौजूद स्कीमा में फिट करता है।
- उदाहरण: बच्चा बिल्ली को देखकर उसे 'कुत्ता' कहता है, क्योंकि उसने सीखा है कि चार पैर वाले जानवर कुत्ते होते हैं।

3. Accommodation (समायोजन):

- जब बच्चा अपने पुराने स्कीमा को नई जानकारी के अनुसार बदलता है।
- अब वह जानता है कि "बिल्ली" और "कुत्ता" अलग होते हैं।

4. Equilibration (संतुलन):

- सीखने की प्रक्रिया में बच्चे असमंजस (disequilibrium) से संतुलन (equilibrium) की ओर बढ़ते हैं।
- यह प्रक्रिया बच्चों के संज्ञानात्मक विकास को आगे बढ़ाती है।

- पियाजे की आलोचना (Criticism):

1. कुछ मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि बच्चों का विकास पियाजे के बताये चरणों से अधिक लचीला होता है।
2. बच्चों की समझ और सोच कुछ मामलों में इन चरणों से पहले भी विकसित हो सकती है।

लेकिन फिर भी, यह सिद्धांत शिक्षा और बाल विकास के क्षेत्र में एक आधारशिला माना जाता है।

निष्कर्ष:

पियाजे का मानना था कि बच्चों का मस्तिष्क जन्म से ही सक्रिय होता है और वे अपने अनुभवों के आधार पर ज्ञान का निर्माण करते हैं। यह सिद्धांत शिक्षा, विशेषकर बाल शिक्षा के क्षेत्र में बहुत प्रभावशाली रहा है।